

(Affiliated to CBSE, New Delhi)

VIDYA SAGAR ACADEMY

AN ENGLISH MEDIUM SENIOR SECONDARY SCHOOL
Mant Road, Raya Mathura (UP)



Affiliation No. 2131140



SMART
CLASS



SMS
FACILITY



CRICKET
ACADEMY



ZERO
ADMISSION FEE
for Girls Candidate



KIRAN
SCHOLARSHIP
PROGRAMME

PROSPECTUS

From the Desk of Secretary (सचिव की कलम से)



Learning is a process and excellence is an obsession. Anyone who can pursue the two is bound to lead the world. Art and literature are not confined to any discipline of attribute it is inborn in everyone.

I have immense pleasure to welcome you at Vidya Sagar Academy a highly progressive and enterprising school pledged to provide quality education with great emphasis on traditional values.

The faculty and management of Vidya Sagar Academy work together to make this happen. We aim to do our best for all our students, by developing their talents and abilities and allow every one to achieve their full potential.

It is with great pride that I serve as the Secretary of Vidya Sagar Academy. I believe in the education we offer at Vidya Sagar academy, just as I believe in our faculty and our students.

"The school seeks your utmost Co-operation and support at all times to achieve the high standards for nation building, Second to none"



अधिगम एक प्रक्रिया है और सर्वोत्तमता एक सनक है। प्रत्येक व्यक्ति जो उपरोक्त वरेण्य द्वय को अंगीकृत करता है, वह संसार का नेतृत्व करने के लिए प्रतिबद्ध है। कला और साहित्य किसी विद्या अथवा अन्तर्निष्ठ वैशिष्ट्य तक सीमित नहीं है यह प्रत्येक में आजन्म से होती है।

आपका यहाँ स्वागत कर मैं अति आनंद से स्फीत हूँ क्योंकि विद्या सागर अकेडमी एक उच्च प्रगतिशील साहसिक विद्या सम्पन्न विधालय है जो परम्परागत मूल्यों को दृष्टिगत रखते हुये गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिये कटिबद्ध है। अकेडमी के गुजन एवं प्रबन्धतंत्र उपरोक्त वरेण्य द्वय को व्यवहारिक धरातल पर सत्य संधान के लिये साथ साथ कर्माभिमुख है। हमारा उद्देश्य सभी छात्रों को हमारा सर्वोत्कृष्ट संदाय है उसके लिये हम उनकी योगताओं एवं क्षमताओं का पता लगाते हैं। अपरंच उन क्षमताओं पूर्ण पुष्पित एवं पल्लवित होने में सहयोग देते है।

विद्या सागर अकेडमी प्रबन्ध सचिव पदस्थ हो उनकी सेवा करने में गर्वित महसूस करता हूँ। अकेडमी प्रदत्त शिक्षा गुणवत्ता में मुझे उतना विश्वास है जितना इसके अध्यापकों और शिक्षार्थियों पर है। विद्यालय को आपके अतिविशिष्ट सहयोग और सर्वकालिक सहायता की महती आवश्यकता है। आपका यह सहयोग राष्ट्र निर्माण के लिये उच्च आदर्शों की प्राप्ति में मेरा वरेण्य पाथेय है।

Jay Prakash Pathak
(जय प्रकाश पाठक)

Our Philosophy हमारा विद्यादर्शन

As parents and teachers, We are aware that education is much more than rote learning and examinations. built our foundation of trust, love, joy, listening and caring for each child, Vidya Sagar academy is committed to provide much more than mere transmission of information and skills acquired thought. Compartmentalized syllabi. true education begins with knowing and understanding the child. At Vidya Sagar Academy, both the child and the adult are learners. together, they weave a world of sharing discovering and constructing new hope and new vistas.

Our mission is to develop the child with active and creative minds, a sense of understanding and compassion for others, and the courage to act on their beliefs. We stress on the total development of each child : spiritual, moral, intellectual, social, emotional and physical and to provide children with great thinkers and sincere educationists for serious change in the objective of education. Education should reassert its great responsibility of inculcating values in each students. Learning at Vidya Sagar Academy means recognizing the worth of one infinite senses and the development of character that learns with dignity and self- worth for oneself and for the world.

The philosophy of Vidya Sagar Academy is reflected in the various ways and the details with which the school has been planned ranging from the vision of education and design of the school building to curriculum development, teacher support and classroom processes.

मातृ-पितृ एवं गुरुजन प्रतिदर्श में हम सभी पूर्व रूप से अवगत हैं कि वास्तविक शिक्षा, पाठ्यक्रम का शुकोच्चारणवत् पुनरावृत्ति एवं तत्त्वषयक परीक्षण से सर्वथा परे है।

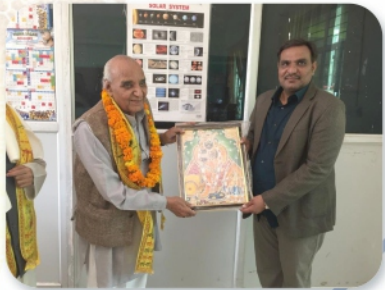
विद्या सागर अकेडमी की आधार शिला विश्वास, प्रेम, आनंद और प्रत्येक छात्र/छात्रा की देखभाल और उसकी किंचित मात्रापि समस्याओं के अनुश्रवण पर आधारित है यह विद्यालय शिक्षार्थियों को वर्गीकृत पाठ्यक्रम के माध्यम से अंगीकृत कौशल एवं सूचनाओं के मात्र सम्प्रेषण के अतिरिक्त अधिकाधिक अमूल्य सत् शिक्षा प्रदान करने के लिये प्रति वद्ध है। सच्ची एवं वस्तुनिष्ठ शिक्षा विद्यार्थी व्यक्ति संकुल के सम्यक् बाह्याभ्यन्तर संज्ञान से प्रारम्भ होती है। विद्या सागर में अध्येता और अध्यापक दोनों ही अधिगमोत्सुक हैं वे दोनों ही नवालोक के निर्माण, यह संयोजन एवं नव नव नवोन्मेषनी प्रज्ञा संसार के ताने वाने बनने में दृढ़ संकल्प से संनद्ध हैं।

हमारा उद्देश्य छात्रों में सक्रियता और रचना धर्मी मस्तिष्क का विकास है। इसके साथ - साथ समझदारी और दूसरों के लिये सहानुभूति का भाव और अपने विश्वास पर साहस पूर्ण धर्म के साथ क्रियारत होना। हमारा दवाव शिक्षार्थी के आध्यात्मिक, नैतिक, बौद्धिक, सामाजिक और भावात्मक विकास पर होता है और साथ-साथ भौतिक पक्ष जो शिक्षार्थी में महान विचार को, समर्पित शिक्षाविदों के सलाह पर शिक्षा के उद्देश्य हेतु उचित वातावरण उपलब्ध कराना। शिक्षा अपनी महती जिम्मेदारी का सम्यक निर्वाह करती हुई प्रत्येक छात्र में मूल्य परक शिक्षा का संचरण।

विद्या सागर अकेडमी का दर्शन उन बहुविधियों और विवरणों से प्रतिभासित होता है जिन्हें केन्द्रीकृत करते हुए इस विद्यालय का आयोजन किया गया है और जो शिक्षा के नव्य रूप से लेकर विद्यालय भवन प्रारूप से होता हुआ पाठ्यक्रम विकास शिक्षक सहयोग और कक्षा शिक्षण प्रविधियों तक प्रकीर्णित है।



CURRICULUM



विद्यासागर स्कूल की टीम सेमीफाइनल में



Vidya Sagar Academy aims at creating our community for better future. towards this, the school has designed a suitable curriculum with the knowledge and skills required to play an effective role in future society, to achieve these objectives, the curriculum at Vidya Sagar Academy follows the principles of interpreted education, integrated education is one that enables Students.

To weave the development of their physical self with the development of their mind, the emotional social and inner self.

To make connections between different forms of knowledge, self-development and creative expressions.

Formal and informal opportunities are provided for students to appreciate the relationships between inside and out side the classroom learning experiences. linkages are made between the acquisition of language and arts, science and reasoning, mathematics and experimentation, creative expression and communications skills. students weave in and art of academic classes and non-academic classes that include the performing arts, the visual arts, the fine arts and sports. with the support of their teachers, students identify pieces of the jigsaw puzzles that continue knowledge and personal development the outcome is the nurturing of the "Whole person ' who seeks to learn, to think critically, to relate, to create and to choose with maturity and concern for others. in other words, the development of the individual child whois in tune with her own thinking and creative self as she is with the development of the world around her.

"The first principle of true teaching is that nothing can be taught. the teacher is not an instructor or taskmaster, he is a helper and guide. His business is to suggest and not to impose. He does not actually train the pupil's mind, he only shows him how to perfect his instrument of knowledge and helps and encourages him in the process. he does not impart knowledge to him, he shows him how to acquired knowledge for himself. He only shows him where it lies and how it can be habituated to rise to the surface. the distinction that resources this principle for the teaching of adolescent and adult minds and devise its application to the child is a conservative and unintelligent doctrine"

पाठ्यक्रम

विद्या सागर अकेडमी का उद्देश्य हमारे समुदाय के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिये, विद्या सागर अकेडमी ने एक समुचित पाठ्यक्रम का प्रकल्पन किया है जिसमें भविष्य समाज के लिये ज्ञान और अपेक्षित कौशल का सहयोग लिया गया है। लक्ष्यार्थ, विद्या सागर अकेडमी का पाठ्यक्रम समेकित शिक्षण विद्या का अंगीकरण करता है। सही शिक्षा वह है जो विद्यार्थियों को इस योग्य बनाता है कि:-

छात्रों के मस्तिष्कीय विकास, भावात्मक विकास सामाजिक विकास और आन्तरिक विकास के साथ - साथ शारीरिक विकास भी हो।

ज्ञान के विविध स्वरूपों, आत्मविकास और रचनात्मक अभिव्यक्तियों के मध्यसम्बन्ध बनाना।

कक्षा शिक्षण और बाह्य शिक्षण अनुभवों के मध्य सम्बन्धों की प्रशंसा के लिये छात्र/छात्राओं के लिये औपचारिक और अनौपचारिक अवसरों को प्रदान करना। विविध भाषाओं और कलाओं के अंगीकरण, विज्ञान और तर्क, गणित एवं प्रयोगों रचनात्मक अभिव्यक्तियों और सम्प्रेषण कौशलों के मध्य, विद्या सागर अकेडमी में सम्बन्ध बनाये जाते हैं। छात्र/छात्राओं कक्षा शिक्षण और बाह्य शिक्षण कथा कला कौशल प्रदर्शन, दृश्य कलाओं, कलाओं और खेलकूद अनुभव के मध्य विचित्र मानसिक एवं शारीरिक सन्तुलन विधाओं को स्वनिर्मित करके आनन्द और ज्ञान की प्राप्ति करते हैं। अध्यापकों की मदद से, मानसिक विकास के लिये, विभिन्न पहलियों को हलकर ज्ञान की वृद्धि और व्यक्तिगत विकास करते हुये छात्र/छात्रायें स्पष्ट चरित्र निर्माण के सोपानों को प्रतिदिन सफलता पूर्वक चढ़ते हैं।

हमारी समस्त तकनीकी का प्रतिफल है छात्र/छात्राओं के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का पोषण, जो अधिगम के लिए खोजते हैं, आलोचनात्मक ढंग से सोचते हैं, अन्तसम्बन्धों को जोड़ते हैं, प्रौढ़ता के साथ चुनते हैं और परहितार्थ चिंतन करते हैं।

सतत् शिक्षा का प्रथम सिद्धांत है कि कोई भी चीज किसी को पढ़ाई नहीं जा सकती है। शिक्षक विद्या दायक नहीं है और न ही किसी कार्य का सर्वोत्तम स्वामी। यह केवल एक दिशा निर्देशक और सहायक है उसका कार्य केवल सुझाव देना है न कि अपने ज्ञान को बच्चों पर आरोपित करना। वह वास्तव में शिष्यों के मस्तिष्क का प्रशिक्षण नहीं करता है, बल्कि वह केवल शिष्यों को ज्ञान पूरिपूर्णार्थ मार्ग दर्शन करता है और इस क्रिया में पर्याप्त प्रोत्साहन देता है। वह विद्यार्थियों को कोई ज्ञान नहीं देता है बल्कि वह बच्चे के स्वयं अर्जित ज्ञान विद्या को अभिप्रेरित करता है। उसका पथ प्रदर्शन केवल इतना ही है कि ग्रहणीय ज्ञान किस अन्तस्तल में निक्षिप्त है और विद्यार्थी उसे किस प्रकार सहजता से धरातल पर ले आये किशोर और वयस्क मस्तिष्क के शिक्षण विधियों में महत्वपूर्ण विभेद यह कि बच्चों के शिक्षण के लिये जन प्रविधियों का किस प्रकार उपयोग किया जाये। ये विधियों एक संकुचित और अविद्वत सिद्धांत पर क्रियाशील हैं।



Special Features



• Painting & Crafting

Giving means to imagination and ideas with hands gives sense of confidence and motivation that what we desire can be achieved. our children can give shapes to their imagination and creativity. being creative makes the student a valuable part of society 'the hidden power of soul unravels by doing anything creative.



• Music & Instrument Playing

Music is a true demonstration of the tradition community culture, aspiration and accomplishments of humankind. In music are embedded various customs values, and beliefs of the common man. The improvement of one artistic. Intellect has proved the ability of being able to enhance the excellence of life.

"The second principle is that the mind has to be consulted in its own growth. The idea of hammering the child into the shape desired by the parent the teachers is barbarous and ignorant superstition.....To Force the nature to abandon its own dharma is to do it permanent harm, mutilate its growth and deface its perfection. It is a selfish tyranny over a human soul and wound to the nation, which loses the benefit of the best that man could have given it..."

विद्यालय वैशिट्य



• पेटिंग और क्राफ्टिंग

रंगकर्म हवं हस्त कला का अर्थ है कर संक्रिया से कल्पना और विचारों को एक माध्यम प्रदान करना । यह विद्या विश्वास एवं अभिप्रेरणा की उस अनुभूति को प्रदान करती है जिसमें ' हम जो चाहते हैं उसे पासकते हैं रचना धार्मिकता छात्र को समाज का मूल्यवान अवयव बना देती है। आत्मा की प्रछन्न शक्ति तब तक अपठनी रहती है जब तक कोई रचनात्मक अभिव्यक्ति न हो ।

• संगीत एवं वाद्ययंत्र

संगीत परम्परा सामुदायिक संस्कृति प्रत्याशा और मानवीय उपलब्धियों का सच्चा प्रदर्शन है। अनेका नेक प्रथा मूल्य और सामान्य जन का विश्वास संगीत में समाया हुआ है। कलात्मक क्षमता प्रगति ने उसके योग्यता सिद्ध कर चुका है। द्वितीय सिद्धांत यह है कि मस्तिष्क के स्वयं विकास में इसकी स्वीकृति आवश्यक है। बच्चे का विकास माता-पिता और अध्यापक द्वारा वांछित प्रतिदर्श के समनुरूप बलात् होना पशुता और अज्ञान पूर्ण अंधविश्वास ही है। सहज स्वभाव को इसकी सहजता का परित्याग बल पूर्वक करवाना उसके लिये स्थायी क्षति, वृद्धिखंडन और मौलिक सम्पूर्णता का विरूपण है। मानवीय आत्मा पर यह स्वार्थ पूरिपूर्ण अत्याचार और राष्ट्र के लिये एक धाव है जो सर्वोत्तम लाभ वंचित हो जाता है जिस लाभ को वह राष्ट्र को अर्पित कर दिया होता ।



Special Features

• Sports

"Sports and physical educations" play a crucial role in the all around development of children adolescence and youth. The importance of sports in educations can be gauged by the way it helps in inculcating Values such as dedication, discipline teamwork and responsibility in children, at the same time teaching them many life skills. The school boasts of spacious imposing building, big playgrounds for cricket, hockey, football, basket ball court badminton court, lawn tennis court etc.

विद्यालय वैशिष्ट्य

• क्रीड़ा

क्रीडा और शारीरिक शिक्षा बच्चों के किशोरावस्था एवं युवावस्था पर सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षा खेल के महत्व, मूल्यों को समाहित करने के माध्यम से दी जा सकती है। ये मूल्य है – समर्पण, अनुशासन कार्यदल और उत्तरदायित्व चेतना। इसके साथ जीवन कौशल को भी सीखना। विद्यालय का क्रीड़ांगन मुक्ताकाश क्षेत्र अति विशाल है। हॉकी, क्रिकेट, फुटबॉल, वास्केट बॉल, वैडमिंटन और लानटेनिस के विशाल प्रांगण उपलब्ध हैं।

• Computer Education

The computer technology has a deep impact on education. It is an essential component in the curriculum of school, gaining Computer educations is the need of the hour. Thus, Vidya Sagar Academy provides computer education from primary class onward.

• Guest Lectures

History has witnessed the fact that genius inspires Genius. In our attempt to promote foresight and develop visionaries of tomorrow. Conducting guest lectures by eminent motivating personalities is one of the important and regular activities of Vidya Sagar Academy.

• कम्प्यूटर शिक्षा

कम्प्यूटर तकनीकी का शिक्षा पर गहरा प्रभाव है। विद्यालय पाठ्यक्रम में यह अत्यावश्यक अवयव है। कम्प्यूटर शिक्षा प्राप्त करना समय की आवश्यकता है। विद्या सागर अकेडमी प्राथमिक कक्षा से उत्तरोत्तर सभी कक्षा विद्यार्थियों को कम्प्यूटर शिक्षा प्रदान करती है।

• अतिथि व्याख्यान

इतिहास इस बात का गवाह है कि बुद्धिमान बुद्धिमान को अभिप्रेरित करता है। दूर दृष्टिपरक और भविष्य दृष्टा बनाने के लिये विद्या सागर अकेडमी अतिथि आचार्यों का आवाहन करती है। इस विद्यालय का यह प्रायः होने वाला आयोजन है।



Special Features विद्यालय वैशिष्ट्य



• Audio/Visual Aids of Teaching

Sometimes learning with still letters becomes boring but watching colorful and Moving things create interest in the subject. Imparting education is not enough but imparting it from right method is effective for that we have audio/video facilities for the students.



• Cultural and educational tour

Educational and cultural tours are considered as useful educational tool. It is an integral part of teaching and learning process. Hearing experiences such a school trips, excursions and field trips expose children to a " real life" situation of what has been taught in the classroom.



• Science Laboratory

School is having well quipped chemistry, Physics and Biology labs to promote scientific temper.



• Transportation

We provide transportation to each and every student the school strictly takes all kind of safety and security measures for the children. the buses are provided with skilled staff to handle the children. Parking places for vehicles of staff, students & Visitors have been provided .

• श्रव्य/दृश्य शिक्षण सहायक सामग्री

कभी-कभी मूक अक्षरों से अधिगम करना उबाऊ हो जाता है किन्तु रंग पूर्ण और गतिशील वस्तुयें विषय वस्तु में रोचकता पैदा करती है। शिक्षा प्रदान करना पर्याप्त नहीं है लेकिन शिक्षण प्रभावी विधि से प्रदान किया जाना चाहिये। उन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिये विद्यालय शिक्षार्थियों के लिये श्रव्य एवं दृश्य सुविधायें उपलब्ध कराता है।

• सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक भ्रमण

शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक यात्रायें उपयोगी शैक्षणिक उपकरण माने जोते हैं। यह शिक्षण और अधिगम प्रक्रिया के आवश्यक अंग माने जाते हैं। श्रव्य अनुभव यथा विद्यालयी यात्रायें, खोजी यात्रायें और क्षेत्र परिभ्रमण बच्चों के सम्मुख वास्तविक स्थितियां प्रस्तुत करती हैं जिन्हें कक्षा शिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को बताया जा चुका है।

• विज्ञान प्रयोगशाला

विद्या सागर अकेडमी के पास सुसज्जित रसायन, भौतिकी एवं जीव विज्ञान की प्रयोगशाला की है जिनका समुचित उपयोग बच्चों में वैज्ञानिक चिंतन अभिप्रेरित करता है।

• परिवहन

विद्यालय प्रत्येक शिक्षार्थी को, माँग पर, परिवहन सुविधा प्रदान करता है। इस सम्बन्ध में विद्यालय अत्यन्त सावधानी पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था रखता है। बच्चों को ले जाने और आने के लिये प्रशिक्षित चालक और परिचालक की व्यवस्था परिवहन माध्यम में उपलब्ध कराता है। विद्यालय प्रांगण में पार्किंग स्थल की व्यवस्था है जिसमें विद्यार्थीगण, शिक्षक और शिक्षणेत्तर वर्ग अपने वाहन खड़ा करते हैं।

Parent Interaction मातृ-पितृ अन्तक्रिया

True education seeks a continuum between the efforts made by the child, the parents and the school every time a child discovers a truth about the self of when they accomplish a milestone, a foundation is laid for the building of yet another discovery or creation the work of parenting and teaching is to identify these moments and to provide space and encouragement for children to build upon their inherent strengths.

Since the experiences of the school and the home are equally significant for the development of all children, Vidya Sagar Academy encourages harmonious interaction in thinking and approach between the caretakers at home and in school. thus the school will continuously work to establish open channels of communication between the parents and the teacher. from time to time, the school will organize a range of opportunities and activities for parents to interact with resource persons, teachers and school counselors. The school welcomes constructive suggestions and ideas from all parents to make their children's development more meaningful and real.

सच्ची शिक्षा बच्चे, माता-पिता और विद्यालय द्वारा किये गये प्रयास में एक निरंतरता खोजती है। प्रत्येक समय बच्चा अपने बारे में एक सत्य खोजता है या जब बच्चे किसी महत्व पूर्ण कार्य को करते हैं, तो उसी क्षण अन्य खोज या रचना के लिये आधार शिला रखी जाती है। मातृत्व-पितृत्व और शिक्षण का कार्य है उन क्षणों को पहचानना और बच्चों को उनके अन्तर्निहित शक्तियों के आधार पर होने वाले निर्माण के लिये प्रोत्साहन और स्थान प्रदान करना।

प्रकारान्तर से गृह और विद्यालय में प्राप्त किये गये अनुभवों का सभी बच्चों के विकास के लिये समान महत्व अनुभवों का सभी बच्चों के विकास के लिये समान महत्व है। विद्या सागर अकेडमी गृह और विद्यालय में जिम्मेदार लोगों के मध्य सोच और पहुँच में समस्वरित अन्तक्रिया को प्रोत्साहित करता है। इस तरह विद्यालय अध्यापकों और माता-पिता के बीच सदैव संभाषण के मुक्त मार्गों की उपलब्धता के लिये निरंतर कार्य करता रहेगा। समय-समय पर विद्यालय माता-पिता के लिये संसाधन व्यक्तियों यथा अध्यापकों एवं विद्यालय सलाहकारों के मध्य अन्तक्रिया के लिये अनेक अवसर और क्रिया कलापों का आयोजन करता रहेगा। इस सबका उद्देश्य है निर्माण के लिये छात्र की शक्तियों पर आधारित सकारात्मक सामूहिक प्रयास। कार्यशालायें मुक्त मातृ-पितृ अन्तक्रिया सत्र और एवं शिक्षक से माता-पिता की बातचीत, सम्बंधित जिम्मेदार लोगों को बच्चे के विकास के लिये अपने सर्वोत्तम प्रयासों को आगे लाने के लिये पर्याप्त अवसर प्रदान करना है।

विद्यालय समस्त माता-पिता और अध्यापकों को उनके बच्चों के अधिकाधिक अर्थ पूर्ण और वास्तविक विकास के लिये उनके रचनात्मक सुझावों और विचारों का स्वागत करता है।





The Examination परीक्षा बोर्ड

The success of educational innovation is in many ways dependent on the examination system that the school follows. The long term vision of Vidya Sagar Academy is to prepare students to think originally. To work creatively and to help them recognize their inner strengths as lifelong learners. Vidya Sagar Academy considers the choice of the examination board as critical for the development of her students.

Vidya Sagar Academy is affiliated to the Central Board of Secondary Education, New Delhi. This choice will enable the school to create a balanced curricular plan for students of the senior classes to develop an application based, conceptual understanding of the subjects they study in school. A balanced curricular plan also encourages students to excel in their areas of Study and develop a competitive advantage for admission in desirable institutions of higher learning and academic universities the C.B.S.E. syllabus encourages students to consider a wide variety of career oriented paths.



शैक्षणिक नवाचरण की सफलता, अनेका नेक रूप में परीक्षा प्रणाली पर आधारित है जिसका अनुगमन विद्यालय प्रायः करते रहते हैं। विद्या सागर अकेडमी की दीर्घ कालिक दृष्टि छात्रों को मौलिक रूप से सोचने विचारने के लिए तैयार करना है। विद्यालय उन्हें रचनात्मक रूप से कार्य करने तथा जीवन पर्यन्त सीखने की क्षमता पहचानने में मदद करता है। विद्या सागर अकेडमी अपने विद्यार्थियों के विकास के लिये परीक्षा बोर्ड के विकल्प को क्रान्तिक समझता है।

विद्या सागर अकेडमी सी.बी.एस.ई. से सम्बद्ध है। यह विकल्प विद्यालय को उच्च कक्षा के विद्यार्थियों के लिये अनुप्रयोग आधारित अध्ययनीय विषयों की सैद्धान्तिक समझ को विकसित करने के योग्य बनायेगा। एक सन्तुलित पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को उनके अध्ययन क्षेत्र में अद्वितीय बनने के लिये प्रोत्साहन देता है और साथ-साथ वांछित उच्च शिक्षण संस्थाओं/विश्व विद्यालयों में प्रवेश के लिये प्रतिस्पर्धी क्षमता के विकास में भी मदद करता है। सी.बी.एस.ई. का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को जीवन वृत्तिपरक रास्तों को दृष्टिगत रखने के अनेका नेक मार्ग प्रस्तुत करता है।

RULES नियम

The school expects students to maintain the highest standard of discipline, decorum, Punctuality, neatness & responsible behavior both in the class room and during co-curricular activities of the school. Every students should attend the school in the prescribed uniform. Students are not allowed to wear any jewellery or costly watches. Any kind of the damage caused by the students in school property will have to be made good by the students. Absence from any examination will ordinarily be allowed on medical grounds, supported by medical certificate from a registered medical practitioner. No leave is granted except on written application submitted at least a day in advance. Students should always carry the school should carefully go through the diary and parent should carefully go through the diary and sign it every day. Parents of visitors are not allowed to meet their wards or the teacher during class hours. Prior permission of the head of the institution (principal) is required to meet the teacher if found necessary.

Students are expected to be a "good ambassador" of the school. No child may leave the school premises during the working hour of the school without the permission of the principal every students must have at least 80% of attendance to appear in any of the terminal examination in case of sickness, intimation must be given to the office immediately. Absence over two days required a fitness and medical certificate.

Students should not be kept away from school except for illness. Children often miss important work when they are abend, tuition can never really make up for class work missed. If an appointment is made with a Doctor the student must not be send to school on that day. The principal reserves the right to refuse leave of absence for religious festivals, weddings and other ceremonies at home, if it interferes with the student's work in the school of the school discipline. desertion from the school, at any time, after having taken admission, the students has to deposit six months fee Mandatorily. fee once deposited shall not be refundable in any case.

The studnets/gaurdians demanding transport facility of school, shall have to deposit Rs. 1000/- as a refundable security money. Declining from transport facility. must be requested at least one month before All kinds of fee shall be charged for the period of 12 months.

1. सभी कक्षाओं में प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही होंगे।
2. किसी भी कक्षा में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण होना व वरीयता सूची में स्थान आना आवश्यक है।
3. जिस कक्षा में प्रवेश लेना है, उसी पूर्वकक्षा की परीक्षा मान्यता प्राप्त विद्यालयों उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।
4. जिस कक्षा में प्रवेश लेना है, उसकी परीक्षा का आधार पूर्व की कक्षा होगी। जिसका आधार योग्यता क्रम ही होगी। अंग्रेजी माध्यम में प्रवेश लेने की इच्छुक छात्र/छात्रा को प्रवेश परीक्षा अंग्रेजी माध्यम में ही देनी होगी।
5. लिखित परीक्षा हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान व सामान्य ज्ञान की होगी।
6. लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद बालक/बालिका के व्यक्तित्व परीक्षण एवं साक्षात्कार के उपरान्त ही उक्त कक्षा में प्रवेश दिया जायेगा।
7. जिन छात्राओं का पूर्व कक्षा का परीक्षा परिणाम नहीं आया है उन्हें **Provisional admission** मिल सकता है। किन्तु पूर्व कक्षा की परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर ही प्रवेश स्थायी होगा अन्यथा प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा।
8. प्रवेश के समय छात्र/छात्रा को प्रतिहस्ताक्षरित स्थानान्तरण प्रमाणपत्र (Transfer Certificate) जमा करना आवश्यक है। यदि पूर्व विद्यालय केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बन्धित है तो प्रतिहस्ताक्षर की कोई आवश्यकता नहीं है।
9. स्थानान्तरण प्रमाण पत्र या अंक पत्र न होने की स्थिति में अध्ययनरत प्रमाण पत्र आवेदन पत्र के साथ अवश्य जमा करना होगा तथा प्रवेश होने की स्थिति में 15 जुलाई तक प्रमाण पत्र तथा अंक पत्र जमा करना अनिवार्य होगा अन्यथा प्रवेश रद्द माना जायेगा।
10. किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता करने पर छात्र/छात्रा के प्रवेश को निरस्त करने का अधिकार प्रधानाचार्य को होगा।
11. वे छात्र/छात्रायें/अभिभावकगण जो विद्यालय के परिवहन व्यवस्था की सुविधा लेना चाहते हैं उन्हें प्रतिछात्र/छात्रा रू. 1000/- प्रत्यावर्तनीय प्राभूत राशि के रूपमें जमा करना होगा।
12. सभी प्रकार के शुल्क 12 माह के लिये देय है।



Mant Road, Raya Mathura (UP)

Tel.: 05663-273094, 9639008775, 9639008770

W : www.vidyasagaracademy.com

E : vsaprincipal2015@gmail.com